वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

एमएआरजे - 01

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खण्ड - स (निबन्धात्मक)

नोट - नीचै लिख्यां सवालां रौ पडू+तर दिरावो। सबद सीमा ५०० सबद है।

१. राजस्थानी रै प्राचीन गद्य साहित्य माथै सारगर्भित लेख लिखो।

२. राजस्थानी ख्यात साहित्य री ओळखांण करावो।

३. राजस्थानी वचनिका साहित्य की परम्परा नै सोदाहरण समझावो।

४. नीचै लिख्यां प्राचीन गद्य साहित्य री कोई दोय विधावां पर लेख लिखो -
१. पीढियावली २. दवावैत ३. ख्यात ४. वंसावली

५. राजस्थानी बात साहित्य पर निबन्ध लिखो।

६. पट्टा परवानां री गद्य विधान नै सोदाहरण समझावों।

७. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधावां री ओकखांण करावो।

८. राजस्थानी कहाणी साहित्य री विकास जात्रा नै समझावों।

९. कहाणी रै तत्वां री व्याख्या करतां व्हीयां अेक छोखी कहाणी रै गुणां रौ बरणाव करो।

१०. रेखाचित्र रौ परिचै दैय'र राजस्थानी रेखाचित्रां रै उद्भव-विकास पर प्रकास डालिए।

११. गद्य काव्य या संस्मरण या रेखाचित्र मांय सूं किणी विधा रै तत्वां री समीक्षा करो।

१२. जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण अर डायरी रौ तात्विक विवेचन करावो।

१३. राजस्थानी उपन्यास रै सुरूप अर विकास रौ संक्षिप्त उल्लेख करो।

१४. आँचलिक उपन्यास किणनै कैवै है ? राजस्थानी रा आँचलिक उपन्यासां री समीक्षा करो।

१५. औपन्यासिक तत्वां रै मुजब 'मेवै रा रूंख' उपन्यास री समीक्षा करो।

१६. 'मेवै रा रूंख' उपन्यास राजस्थानी समाज रौ जीवतौ-जागतौ चितराम है ? इण कथन री समीक्षा करो।

१७. 'मेवै रा रूंख' उपन्यास री पात्र अर चरित्र री दीठ सूं समीक्षा करो।

१८. उपन्यास रै तत्वां रै मुजब 'धोरा रा धोरी' उपन्यास रौ विवेचन करो।

१९. मुरलीधर व्यास रौ आधुनिक राजस्थानी कहाणी रै विकास में जोगदान चित्रित करो।

२०. 'भांठो' कहाणी री समीक्षा प्रस्तुत करो।

२१. करणीदान बारहठ रै कनै बात कैवण रौ सांतरो आंटो है ? इण कथन री पुस्टि करावो।

२२. कथाकार करणीदान बारहठ रौ कहाणी साहित्य में जोगदान स्पस्ट करो।

२३. 'माटी री महक' कहाणी संग्रै री किसी अेक कहाणी री समीक्षा करो।

२४. 'माटी री महक' कहाणी संग्रै मांय राजस्थानी संस्कृति अर समाज रा जथारथवादी चित्रण मिळै है ? इस कथन की पुस्टि न्यांरी-न्यांरी कहाणियां रै आधार माथै स्पस्ट करो।

२५. बैजनाथ पंवार री कहाणियां री प्रमुख विसेसतावां नै सोदाहरण समझावो।

२६. बैजनाथ पंवार रौ आधुनिक राजस्थानी कहाणी साहित्य में जोगदान स्पस्ट करो।

२७. बैजनाथ पंवार री राजस्थानी कहाणियां में ग्रामीण परिवेस रौ सांतरो जथारथवादी चित्रण हुयो है ? इण कथन री पुस्टि करावो।

२८. नृसिंह राजपुरोहित री कहाणियां में सामन्ती प्रथा रौ दरद छिप्यौ है ? इण कथन री पुस्टि उणांरी न्यांरी न्यांरी कहाणिया रै मुजब दिरावो।

२९. 'विदाई' कहाणी री कथावस्तु नै सोदाहरण समझावो।

३०. किणी एक रचनाकार माथै सारगर्भित टिप्पणी लिखो -

(१) अन्नाराम सुदामा (२) श्रीलाल नथमल जोसी (३) यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र (४) करणीदान बारहठ

३१. मनोहर शर्मा रै साहित्य लेखण री समग्र जाणकारी दिरावो।

३२. आधुनिक राजस्थानी निबन्ध लेखण में मनोहर शर्मा रौ जोगदान नै स्पस्ट करो।

३३. कल्याणसिंह सेखावत रै निबन्धां रौ सैलीगत अर सिल्पगत बरणाव चित्रित करो।

३४. कल्याण्सिंह सेखावत आधुनिक राजस्थानी निबन्ध विधा रा कीरति स्तम्भ है ? इण कथन री पुस्टि उणांरै निबन्ध कला नै ध्यान में राखता थकां करो।

३५. कल्याणसिंह सेखावत रै निबन्धां री प्रमुख प्रवृतियां री ओळखांण करावो।

३६. आधुनिक राजस्थानी निबन्ध साहित्य री विकास जात्रा नै समझावो।